सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

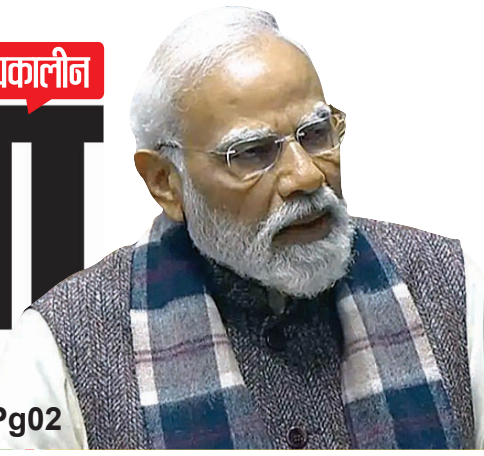

» Pg12

तुष्टिकरण की राजनीति में कांग्रेस वंदेमातरम् के बंटवारे को झुकी!

कानपुर, सोमवार, 08 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 326, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सरकारी स्कूल के हेड मास्टर को चढ़ा पत्रकारिता करने का नशा » Pg02

सातवें दिन भी बहाने उड़े, फ्लाइट नहीं... रिजल्ट जीरो

इंडिगो का क्रैश, दावे फेल यात्रियों का सब्र हाईजैक!

अटेंशन प्लीज़...! तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, संसद में गूंजा मुद्दा, उड़ानों में उथल-पुथल, दबाव में सरकार

» सोमवार को भी 250 से अधिक उड़ानें रद्द।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुंबई/नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान सातवें दिन भी जारी रहा और विमानन कंपनी ने सोमवार को दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों से 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे से कुल 134 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 75 और पहुंचने वाली 59 उड़ान शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इसी तरह इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे से 127 उड़ानें रद्द कीं, जिनमें रवाना होने वाली 62 और पहुंचने वाली 65 उड़ानें शामिल हैं। एक अन्य घटनाक्रम में, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स और जवाबदेही प्रबंधक इस्ड्रो पोर्क्वेरास को उड़ानों में व्यवधान को लेकर जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' का जवाब देने के लिए और समय दे दिया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों को अपने जवाब दाखिल करने के लिए 24 घंटे का अतिरिक्त समय, यानी सोमवार शाम छह बजे तक की समय सीमा दी गई है। पिछले कई दिनों से इंडिगो की उड़ान सेवाओं में बड़े पैमाने पर लगातार व्यवधान हो रहा है, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी है। इसी पृष्ठभूमि में नियामक ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को जारी नोटिस में एल्बर्स और पोर्क्वेरास को रविवार शाम तक जवाब देने के लिए कहा गया था।

इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगाकर दखल देने का आग्रह किया गया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया है और कार्रवाई कर रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हम जानते हैं कि लाखों लोग फंसे हुए हैं। हो सकता है कि उनमें से कुछ लोगों का जरूरी काम हो और वे नहीं कर पा रहे हो। लेकिन भारत सरकार ने इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। समय पर कदम उठाया गया है। अभी हमें कोई तात्कालिकता नहीं आती है।

मंत्री जी जवाब देंगे, लेकिन आज वो यहां मौजूद नहीं...

संसद के शीतकालीन सत्र में आज इंडिगो परिचालन संकट का मुद्दा उठाया गया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इंडिगो परिचालन में आए व्यवधान के कारण यात्रियों को हो रही परेशानी का उल्लेख करते हुए कहा, सरकार को संसद के पटल से ये बताना चाहिए कि संकट का समाधान करने की दिशा में सरकार क्या कदम उठा रही है। गौरव गोगोई ने प्रश्नकाल समाप्त होने के ठीक बाद इंडिगो का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि विमानन मंत्रालय इस संकट से निपटने के लिए क्या उपाय कर रहा है?

गोगोई को स्पीकर ओम बिरला ने आश्वस्त किया कि केंद्रीय नागर विमानन मंत्री सदन में आकर इस पर जवाब देंगे। आज वे लोकसभा में मौजूद नहीं हैं।

आज भी हुईं 250 से अधिक उड़ानें रद्द

उत्तर प्रदेश के महानगरों से देश और विदेश के लिए संचालित इंडिगो एयरलाइन की अधिकांश फ्लाइट्स सात दिन बाद भी रन वे पर नहीं हैं। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज और गोरखपुर में यात्री परेशान हैं। सोमवार को पहले से स्थिति तो सुधरी है, लेकिन अभी भी अपेक्षित सुधार नहीं है। कानपुर से हैदराबाद और दिल्ली की उड़ान निरस्त है। मुंबई की उड़ान ही आज आएगी। लखनऊ एयरपोर्ट पर सोमवार को इंडिगो एयरलाइन की 22 फ्लाइट रद हो गई हैं। यात्रियों को उड़ान रद होने की सूचना देरी से मिली।

इसके कारण तमाम यात्री एयरपोर्ट पर पहुंच गए। जिसके कारण एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतार लग गई। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, अमौसी और वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट से उड़ानें सोमवार को भी निरस्त रहीं। प्रयागराज से सोमवार को सारी फ्लाइट संचालित हैं। यहां से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की इंडिगो की फ्लाइट है। इंडिगो ने दिल्ली और बेंगलुरु से 250 से अधिक उड़ान रद्द कर दी हैं।

मलेशियाई यात्री का चौथे दिन भी नहीं मिला लगेज

वाराणसी में मलेशिया से आए सुंदरम नाथन को रविवार को चौथे दिन लगेज नहीं मिला। वह गुरुवार की शाम पांच बजे अहमदाबाद से वाराणसी पहुंचे थे। विमान में उनका एक बैग ही आया। एक दूसरा बैग जिसमें दवाएं आदि थीं, वह नहीं मिला। इसकी शिकायत भी की, लेकिन एयरलाइन के अधिकारियों ने बताया कि वह अहदमबाद में छूट गया है। उन्हें मंगलवार को वापस मलेशिया जाना है। अधिकारियों ने कहा है कि सोमवार को भी बैग नहीं आता तो उनका बैग मलेशिया में बताए पते पर भेजा जाएगा।

योगी की पाती: किरायेदार से लेकर नौकर तक सबकी आईडी करें चेक!

» रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर सख्ती।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने से पहले उसकी पहचान अवश्य सत्यापित करें। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने यह अपील ऐसे समय में की है, जब उनके निर्देश पर पिछले सप्ताह से पूरे प्रदेश में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। उन्होंने सोमवार सुबह 'एक्स' पर एक पोस्ट में उच्चतम न्यायालय की हालिया टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा, उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाया जा सकता। इससे स्पष्ट है कि घुसपैठिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राज्य की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध सघन अभियान शुरू किया गया है तथा सभी शहरी स्थानीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

एसआईआर में लापरवाही पर एक्शन

27 बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । आर्यनगर विधानसभा क्षेत्र में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य में ढिलाई बरतने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए 27 बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। समीक्षा बैठक में अपर नगर मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि लगातार निर्देशों के बावजूद वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मतदाताओं की मैपिंग का कार्य तय मानकों के अनुरूप पूरा नहीं किया गया। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि एईआरओ तथा सुपरवाइजर स्तर से बार-बार दिए गए निर्देशों के बाद भी इन बीएलओ की मैपिंग प्रगति 90 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ सकी। नवीन सभागार में पिछले तीन दिनों से लगातार आयोजित बैठकों में भी कार्य गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए, परंतु कोई सुधार नहीं दिखा।

नोटिस प्राप्त करने वाले बीएलओ रीता प्रजापति, पुष्पा देवी, मनीषा साहू, लक्ष्मी हेम, श्रद्धा शर्मा, शाहीन जमाल, गुडान देवी, संजीव कुमार, शालिनी मिश्रा, पूजा पांडे, कमलेश कुमार, हेमलता, शारदा सिंह, सुधीर कुमार, गौशिया फारूकी, कुसुमलता, रेखा पचौरी, शाइस्ता परवीन, पुष्पा चौरसिया, माधुरी शर्मा, कामना वर्मा, दीपिका बाजपेयी, सीरिन यासमीन, मोहम्मद उस्मान अरिफ, सबीना इस्लाम, मोहम्मद हसन और अरूणा देवी हैं।

प्रशासन ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सभी 27 बीएलओ को 08 दिसंबर 2025 तक अपना लिखित स्पष्टीकरण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समय में उत्तर न मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

सामाजिक समरसता मंच द्वारा मातृशक्ति सम्मेलन का किया आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । महानगर में 7 दिसंबर को सामाजिक समरसता मंच द्वारा आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन बड़े उत्साह और सफल व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरेली से पधारी केंद्रीय टोली सदस्य आदरणीय सुषमा गौड़ियाल उपस्थित रहीं, जबकि एस.एन. सेन विद्यालय की प्राचार्या ने सम्मेलन की अध्यक्षता की ।मुख्य अतिथि सुषमा गौड़ियाल ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि सामाजिक समरसता गतिविधियों में महिलाएं अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के छोटे-छोटे प्रयास समाज में एकता, सद्भाव और भविष्य के मजबूत नैतिक आधार तैयार करते हैं। अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या महोदया ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक समरसता हमारी सभ्यता की आत्मा है और भारतीय मातृशक्ति हर स्तर पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है ।कार्यक्रम के दौरान डाक्टर आरती द्विवेदी और डाक्टर अनुराग रत्न द्वारा लिखित समकालीन राजनीतिक सिद्धांत एवं अवधारणाएं नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष महोदया का स्वागत प्रांतीय महिला आयाम प्रमुख श्रीमती पूनम शुक्ला ने किया।

सम्मेलन में नरेन्द्र जी, प्रांत प्रमुख रविशंकर, सह प्रांत प्रमुख सुभाष, रामकेश, सघन बस्ती प्रांत प्रमुख धर्मेन्द्र तथा सह प्रमुख प्रिया सहित लगभग 220 मातृशक्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डाक्टर आरती द्विवेदी ने सुचारु रूप से किया।

प्रतिमाओं और मूर्तियों की सफाई में जुटा नगर निगम

» चौराहा और पार्कों में लगी प्रतिमाओं को लेकर,कानपुर नगर निगम ने चलाया बड़ा सौन्दर्यीकरण अभियान, 90 प्रतिमाओं की सफाई पूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

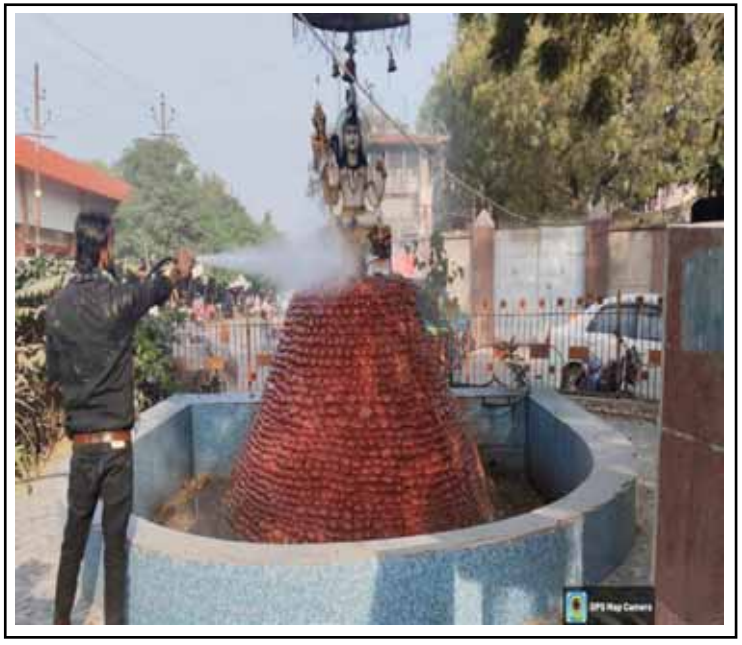

कानपुर। नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम द्वारा शहर में स्थित महापुरुषों की प्रतिमाओं की व्यापक साफङ्कसफाई और सौन्दर्यीकरण अभियान सम्पन्न हुआ। उद्यान विभाग की टीमों ने सुबह से विभिन्न जोनों में अभियान चलाकर कुल 90 प्रतिमाओं की धुलाई, पोछाई और आसपास के क्षेत्रों की व्यवस्थित सफाई सुनिश्चित की।

अभियान के दौरान कंपनी बाग, फूलबाग, लाटूश रोड, मोतीझील, पनकी, गोविंदनगर, बारावसरोही, रावतपुर, चकेरी, बड़ा चौराहा, घंटाघर, शास्त्रीनगर सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर स्थापित प्रतिमाओं को चमकाया गया। प्रतिमाओं के आधार-भाग, प्लेटफॉर्म, आसपास की हरियाली और मार्गों से अवांछित सामग्री हटाकर पूरे क्षेत्र को स्वच्छ स्वरूप दिया गया ।साफ किए गए स्मारकों में डॉ. भीमराव अम्बेडकर, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाला लाजपत राय, गणेश शंकर विद्यार्थी, रानी लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई, तात्या टोपे, बुद्ध प्रतिमा, अशोक स्तम्भ और भारत माता सहित अनेक महापुरुषों व स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएँ शामिल रहीं।

उद्यान विभाग की टीमों ने तय समय के भीतर पूरा कार्य कर नगर निगम को आख्या भी प्रस्तुत कर दी है।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर स्थित प्रतिमाओं और स्मारकों की गरिमा बनाए रखने हेतु स्वच्छता और संरक्षण में सहयोग करें।

सरकारी स्कूल के हेड मास्टर को चढ़ा पत्रकारिता करने का नशा!

- जितेंद्र कमल उर्फ जितेंद्र कुमार सिंह की रसूलाबाद ब्लाक के ग्राम मेघजाल के प्राथमिक विद्यालय में है तैनाती
- कानपुर सिटी में यूट्यूब चैनल बनाकर सरकारी योजनाओं की खामियां गिनाने लगे मास्टर साहब
- हेड मास्टर जितेंद्र कुमार सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी, बीएसए ने बैठाई जांच

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जब खुद के घर शीशे के हों तो दूसरों पर पत्थर नहीं उछाला करते। ये पंक्तियां आजकल चर्चा में आए एक कथित पत्रकार पर सटीक बैठ रही हैं। दरअसल दूसरों की कमियां ढूंढने वाले कथित पत्रकार साहब खुद सरकारी विद्यालय में शिक्षक हैं और स्कूल से गायब रहते हैं। बावजूद इसके वेतन पूरा ले रहे हैं। इन साहब ने अपने स्टाफ को भी इतना अड़दब में ले रखा है कि कोई खुल कर नहीं बोल पा रहा है लेकिन ये साफ हो चुका है कि साहब सरकार से वेतन शिक्षण कार्य के लिए लेते हैं और पत्रकारिता की आड़ में रौब झाड़ते घूम रहे हैं। स्कूल तो कभी कभार ही आते हैं। हालांकि अब इन पर अफसरों की नजरें टेड़ी हो गई हैं।

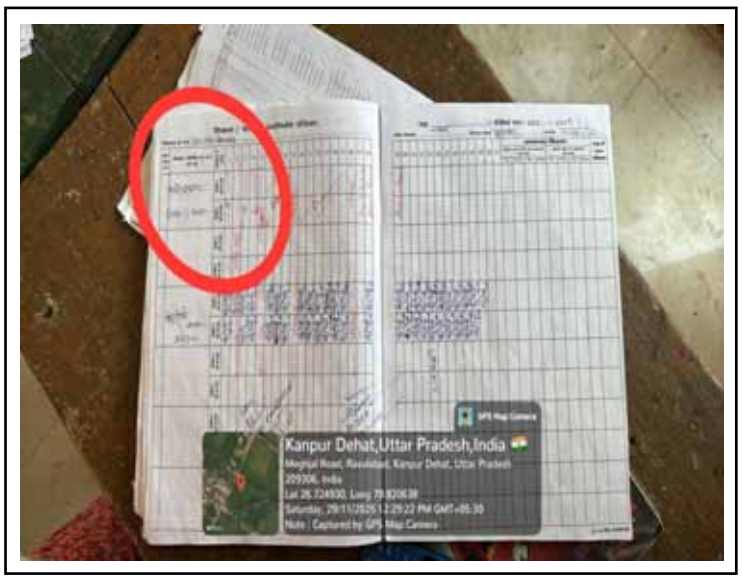

खास खबर

विभागीय सूत्रों के अनुसार जितेंद्र कुमार सिंह उर्फ जितेंद्र कमल वर्तमान समय में कानपुर देहात जिले के रसूलाबाद ब्लाक क्षेत्र के मेघजाल गांव के प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात हैं। राज्य सरकार के मानव संपदा पोर्टल के अनुसार जितेंद्र कुमार सिंह पुत्र प्रकाश बाबू कमल कानपुर जिले के निवासी हैं। उनकी नियुक्ति 11 फरवरी 2009 को गणित-विज्ञान विषय के शिक्षक के तौर में हुई। वह अपना नियमित रूप से वेतन भी ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि अपनी सरकारी नौकरी को ताकपर रखकर पत्रकार बनने की सनक सवार हो गई है। इन्होने कबीर न्यूज के नाम से यूटयूब चैनल बनाकर कानपुर महानगर में पत्रकारिता शुरू कर दी। सरकारी विभागों और योजनाओं की समीक्षा करने लगे, राजनेताओं को निशाने में लेकर व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी करने लगे। इसको लेकर कुछ वीडियो सोशल मीडिया में सामने आए तो मामला चर्चा में आ गया तो कथित पत्रकार की कॉपी चेक होने लगी। इनके तैनाती वाले मेघजाल प्राथमिक विद्यालय की अन्य सहयोगी शिक्षक और स्थानीय लोगों ने सीधे तौर पर तो कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया लेकिन एक महिला शिक्षिका ने बताया कि वह स्कूल आते भी हैं, नहीं भी आते हैं...!,

सीधे तौर पर यह समझ में आया कि जितेंद्र कमल ने पत्रकार बताकर इतना भौकाल चढा रखा है कि किसी की जुबान भी नहीं खुल रही है। हालांकि, मामले की शिकायत उच्चस्तर तक हुई तो कानपुर देहात बीएसए कार्यालय में हलचल हुई। आनन फानन में खंड शिक्षाधिकारी अजब सिंह ने प्राथमिक विद्यालय मेघजाल पहुंचकर जांच पडताल की तो इनपुट सही पाया गया, प्राधानाध्यापक जितेंद्र कमल स्कूल नहीं आ रहे थे, इसकी सूचना भी अपने संबंधित अधिकारी को नहीं दी थी। वहीं, बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि सूचना के आधार पर बीईओ ने मौके पर जांच की तो उनके कई दिनों से स्कूल नहीं आने की पुष्टि हुई है। इस आधार पर संबंधित प्राधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, वेतन रोक दिया गया है। इसके बाद अग्रिम विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में जब जितेन्द्र कमल से बात की गई तो उनके मोबाइल से संपर्क न हो सका।

क्राइम ब्रांच की दबिश में बड़ा गैंग बेनकाब

पनकी से बांगरमऊ तक जड़ें जमाए थे तेल माफिया, बिल्हौर में नेटवर्क ध्वस्त

करीब दो महीने से चल रहा था गुप्त खेल, हाते में बना रखा था ऑयल डम्प, शातिरों के हथकंडे देखकर पुलिस भी हुई हैरान!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाना क्षेत्र का लालपुर गांव शनिवार रात पुलिस कार्रवाई से उस समय दहक उठा, जब क्राइम ब्रांच और बिल्हौर पुलिस ने एक बड़ी छापेमारी में डीज़ल-पेट्रोल चोरी के संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया। लंबे समय से ग्रामीण इलाकों में महंगे दामों पर चोरी का ईंधन सप्लाई करने वाले इस गैंग का संचालन एक सुनसान पड़े हाते से किया जा रहा था, जहां रात होते ही टैंकरों की आवाजाही बढ़ जाती थी। पुलिस ने यहां से लगभग एक हजार लीटर अवैध ईंधन, दो टैंकर, पाइप लाइन और ईंधन निकालने के उपकरण बरामद किए हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गैंग करीब डेढ़-दो माह से सक्रिय था। खाली पड़े हाते को रात में अस्थायी मिनी-पंप में बदल दिया जाता था। बाहर से आने वाले टैंकरों से डीज़ल और पेट्रोल चोरी कर बड़े ड्रमों में भर लिया जाता था। सुबह होते ही ऑर्डर के अनुसार यह ईंधन ग्रामीण इलाकों में ऊंचे दामों पर सप्लाई कर दिया जाता था।

सूत्रों के मुताबिक गैंग के सदस्य पुलिस की गतिविधियों पर भी नजर रखते थे और टैंकरों के लोकेशन बदल-बदलकर चोरी को अंजाम देते थे।

रंगे हाथ दबोचा गया गैंग

अवैध गतिविधियों की लगातार मिल रही सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच एसीपी सुमित सुधाकर रामटेके, बिल्हौर एसीपी मंजय सिंह, और इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने संयुक्त रूप से योजना बनाई। शनिवार शाम जैसे ही टैंकर हाते में पहुंचा, पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी कर दबिश दे दी। अचानक की गई कार्रवाई इतनी तेज थी कि मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, लेकिन टीम ने चारों को मौके पर ही दबोच लिया।

गिरफ्तार मास्टरमाइंड विनोद कुमार से मिले अहम सुराग

पुलिस ने जिन चार लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें विनोद कुमार, निवासी नानामऊ मुख्य संचालक है और अशोक कुमार, निवासी तिर्वा, कन्नौज, रामेंद्र सिंह, निवासी कल्यानपुर छिबरामऊ,पप्पू, निवासी भोजीपुरा शामिल हैं। पुलिस को पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस के अनुसार गैंग का नेतृत्व विनोद करता था, जो टैंकरों से कनेक्शन साधने और ईंधन आपूर्ति की पूरी व्यवस्था संभालता था। बाकी सदस्य माल को ग्रामीण इलाकों में खपाने का काम करते थे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह का नेटवर्क केवल बिल्हौर तक सीमित नहीं था। अवैध तेल की सप्लाई पनकी, बिल्हौर, रसूलाबाद और बांगरमऊ तक फैली हुई थी। कुछ महीने पहले पनकी में पकड़े गए गैंग के सदस्यों का भी इससे लिंक निकलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस यह भी खंगाल रही है कि टैंकर चालक इस नेटवर्क में किस स्तर तक शामिल थे।

कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि डीज़ल और पेट्रोल के टैंकरों से तेल चोरी कर बिल्हौर के लालपुर गांव में अवैध रूप से डंप किया जाता है। इसी आधार पर क्राइम ब्रांच और बिल्हौर पुलिस की संयुक्त टीम छापेमारी की। कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मौके से अवैध तेल सहित कई अन्य सामग्री भी बरामद हुई है। गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

– आईपीएस सुमित रामटेके
एसीपी, क्राइम ब्रांच कानपुर

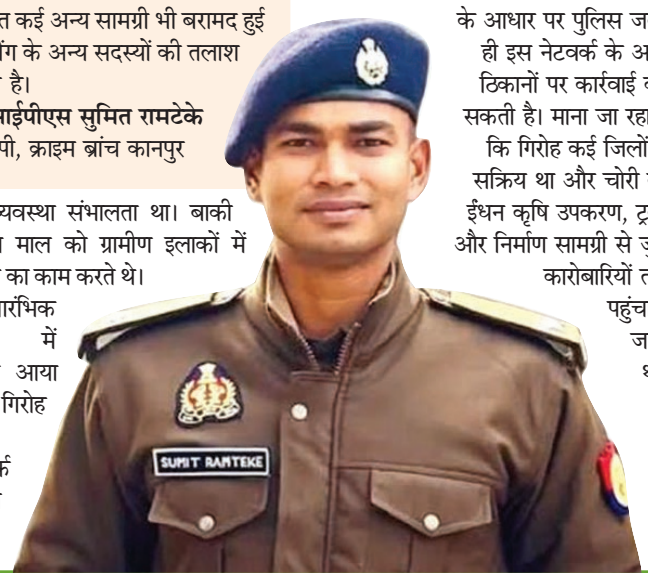

अन्य स्थानों पर छापेमारी की तैयारी में है पुलिस

गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस जल्द ही इस नेटवर्क के अन्य ठिकानों पर कार्रवाई कर सकती है। माना जा रहा है कि गिरोह कई जिलों में सक्रिय था और चोरी का ईंधन कृषि उपकरण, ट्रकों और निर्माण सामग्री से जुड़े कारोबारियों तक पहुंचाया जाता था।

कानों-कान चौकी पुलिस को भनक तक नहीं लगी!

महीनों से सक्रिय तेल माफिया खुलेआम काला खेल खेलते रहे, लेकिन चौकी पुलिस को इसकी हवा तक नहीं लगी। बड़ा सवाल यह है कि रात-रात भर पेट्रोलिंग करने वाली पुलिस टीम भी आखिर किस दुनिया में थी? क्या उन्हें इस अवैध नेटवर्क का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था, या फिर किसी ने जानबूझकर आँखें मूँद रखी थीं?

आधी रात पुलिस ने होटल में मारा छापा

पुलिस की गाड़ियां देख अफरा-तफरी का महौल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर तिराहा मार्ग स्थित एक होटल में शनिवार देर रात बिल्हौर पुलिस ने अचानक दबिश देकर सनसनी फैला दी। कार्रवाई होते ही होटल परिसर में भगदड़ मच गई। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने होटल का सीसीटीवी डीवीआर, मोबाइल फुटेज व इंट्री रजिस्टर अपने कब्जे में लेकर खंगालना शुरू कर दिया।

सूत्र बताते हैं पुलिस की गाड़ियों को देखकर कुछ युवक पिछले हिस्से से रेलवे लाइन और ईशन नदी की तरफ अंधेरे में भागते नजर आए। जिन्हें तलाशने के लिए पुलिस ने आसपास के इलाके में कॉम्बिंग भी की। कस्बा इंचार्ज प्रेमवीर ने बताया कि लड़ाई की सूचना मिली थी। पुलिस जाँच करने गई थी।

मानवता की राह पर टीचर्स सेल्फ केयर टीम के कदम!

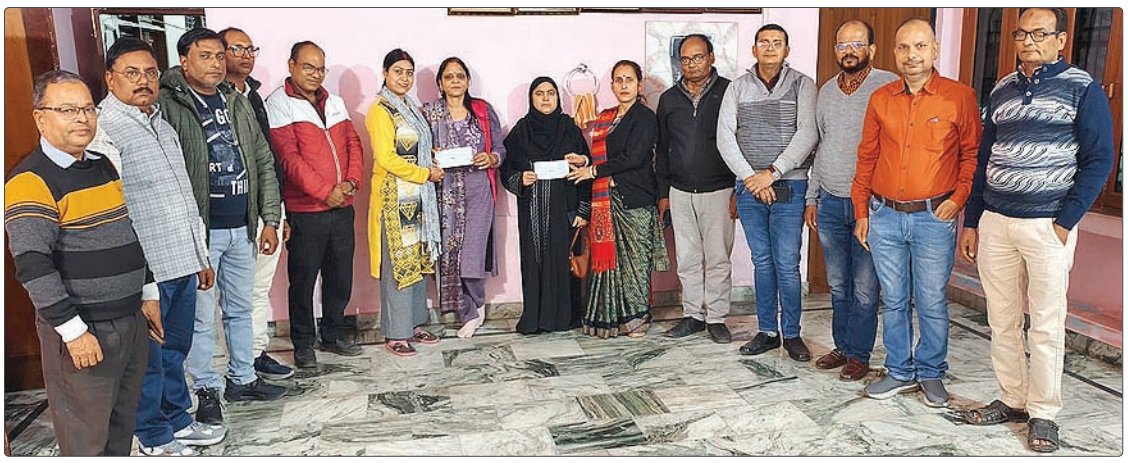

» 257 बेटियों के विवाह में 1 करोड़ 41 लाख से अधिक का दान में दिया शगुन।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) कानपुर नगर ने सामाजिक सहयोग की एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए विकास खंड बिधनू और पतारा में कार्यरत दो शिक्षिकाओं की बेटियों के विवाह में रुपए 55,000-55,000 का शगुन चेक भेंट किया। यह सहयोग टीम की कन्यादान महादान योजना के अंतर्गत दिया गया।

जिला संयोजक सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि मात्र 1 रुपए प्रति सदस्य के सहयोग मॉडल से अब तक 257 कन्याओं के विवाह हेतु 1,41,35,000 रुपए की ऐतिहासिक आर्थिक मदद की जा चुकी है।

मंडल संयोजक जितेंद्र यादव ने गर्व से कहा- शायद ही कोई व्यक्ति पूरे जीवन में भी 257 कन्याओं का कन्यादान न कर पाए। लेकिन टीएससीटी ने एकता और संकल्प के दम पर यह बड़ा कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है।

मीडिया प्रभारी अनूप कुमार ने कहा कि यह शगुन उत्तर प्रदेश के 51,427 और कानपुर नगर के 724 समर्पित शिक्षकों की ओर से बेटियों को दिया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि लक्ष्य है कि भविष्य में प्रत्येक बेटी के विवाह में 5 लाख रुपए तक का शगुन उपलब्ध कराया जाए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जितेंद्र यादव, सुनील कुमार वर्मा, अनूप कुमार यादव, आलोक कुमार, शशिकांत चौरसिया, सूर्य नारायण, वीरेंद्र सिंह, भानु प्रताप विश्वकर्मा, अंजना बाजपेई, संगीता कटियार सहित कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सड़क दुर्घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वत- संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ ै। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं।

ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह-जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते।

कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती ै? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है।

निहित स्वार्थों के लिए युवाओं को गुमराह करने के बयान

ज्योति मल्होत्रा

गौरतलब है कि दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने खुलासा किया था कि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े डॉक्टरों से जुड़े संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल ने 6 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में छह स्थानों पर विस्फोटों की योजना बनाई थी। यह वह दिन था जब 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया था। जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने भोपाल में एक कार्यक्रम में कहा कि आज मुसलमान रास्ते पर अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्हें कदम-कदम पर नफरतों का सामना करना पड़ता है।

मदनी ने सुप्रीम कोर्ट के ऊपर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी देश में लॉ एंड ऑर्डर और क्राइम-फ्री समाज बनाना इंसाफ के बिना नामुमकिन है। मौलाना ने कहा कि दुख की बात है कि पिछले कुछ सालों में खासकर बाबरी मस्जिद और ट्रिपल तलाक जैसे मामलों में फैसलों के बाद यह आम सोच बन गई है कि कोर्ट सरकारी दबाव में काम कर रहे हैं। राजनीतिक दल और मदनी जैसे मौलाना मुसलमानों में अपनी पैठ बनाने और खुद को उनका सबसे बड़ा हितेषी साबित करने में कहीं न कहीं मुस्लिम युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। गौरतलब है कि दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने खुलासा किया था कि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े डॉक्टरों से जुड़े संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल ने 6 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में छह स्थानों पर विस्फोटों की योजना बनाई थी। यह वह दिन था जब 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया था। विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकवादियों ने बताया था कि यह तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि वे बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेना चाहते थे। मौलाना मदनी का बयान ऐसे ही युवाओं को प्रेरित कर गुमराह करने वाला है। हुमायूं कबीर, अरशद मदनी और महमूद मदनी के बयान आखिर कैसे भारत का माहौल खराब कर रहे हैंसुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाने वाले मौलाना मदनी भूल गए कि अदालतों ने ही आतंक के आरोपों से ढेरों बेगुनाहों को बरी किया है। वर्ष 2006 में 12 लोगों को मुंबई बम धमाकों के संबंध में मकोका कोर्ट ने दोषी ठहराया था, लेकिन 18 साल बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट ने पाया कि पुलिस द्वारा पेश किए गए 44,500 पन्नों के दस्तावेज़ों में से कोई भी दोष सिद्ध नहीं कर सका। इसी तरह गुजरात में 2001 में 127 मुस्लिम नागरिकों को एक प्रतिबंधित संगठन से संबंध के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जो 19 साल बाद बरी हुए थे। इसके अलावा ऐसे एकल मामलों की कमी नहीं है, जब अदालतों ने जांच एजेंसियों की कार्रवाई को अपर्याप्त मानते हुए आतंक के आरोपियों को बरी किया। मुस्लिम हितों की बात करने वाले मौलाना मदनी भूल गए कि यह वही सुप्रीम कोर्ट है, जिसने केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड कानून को ज्यों का त्यों लागू करने पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगाई। विशेष रूप से कोर्ट ने वक्फ बनाने के लिए कम से कम 5 साल तक इस्लाम का अनुयायी होने की शर्त और विवादित संपत्तियों के तुरंत वक्फ माने जाने पर रोक लगा दी। यह फैसला याचिकाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने और मामले में संतुलन बनाए रखने के लिए एक अंतरिम रोक है। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक का कानूनी हक दिलाने वाले सुप्रीम कोर्ट को मौलाना मदनी भूल गए। मनमाने तरीके से तलाक की शिकार महिलाओं को उनका हक दिलाने की पहल किसी भी मौलवी—मौलाना ने कभी नहीं की।

अकेले मौलाना मदनी ही नहीं राजनीतिक फायदे के लिए राजनीतिक दलों के नेता भी मुसलमानों के भले के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते रहे हैं।

जिसने सिटीजनशिप के लिए भाई से ही कर ली शादी

डेमोक्रेटिक सांसद

ज्वाला सिंह दास

डोनाल्ड ट्रंप भारत विरोधी इलहान उमर के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उसकी नागरिकता सवालों के घेरे में आ गई है। आरोप है भारत तक इसकी पुष्टि नहीं करता है। आरोप है कि इलहान उमर ने अमेरिकी नागरिकता के लिए अपने भाई से शादी की।रत विरोधी चेहरा है अमेरिका में और पाकिस्तान का प्रोपोगेंडा कश्मीर के खिलाफ प्रोपगेंडा जो करती है उसको लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है और यह ऐसा खुलासा है अगर यह साबित हो जाता है तो पूरी दुनिया में इलहान उमर शर्मसार हो जाएगी। पहले ही उस पर कई तरह के फेबर्स लेने की बात की जाती रही है।

लेकिन अब जो जानकारी सामने आ रही है उसमें अमेरिकी राष्ट्रपति तक उसके खिलाफ अब बोल रहे हैं। यानी कि डोनाल्ड ट्रंप भारत विरोधी इलहान उमर के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उसकी नागरिकता सवालों के घेरे में आ गई है। आरोप है भारत तक इसकी पुष्टि नहीं करता है। आरोप है कि इलहान उमर ने अमेरिकी नागरिकता के लिए अपने भाई से शादी की।

इलहान उमर कौन से नए विवाद में फंसी सोमालिया में जन्मी मिनीसोटा से डेमोक्रेटिक सांसद इलहान उमर एक बार विवादों में फिर फंस गई है। उस पर अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए शादी और इमीग्रेशन धोखाधड़ी करने का आरोप है। । यह आरोप पहली बार साल 2016 में लगा। आलोचकों का दावा है कि उसने नागरिकता हासिल करने के लिए 2009 में अहमद नूर सैद एलमी से शादी की जो उसके भाई हैं। राष्ट्रपति

ट्रंप ने हाल ही में उमर की इमीग्रेशन बैकग्राउंड का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने आरोप लगाया कि उमर अवैध रूप से अमेरिका आई और अपने भाई से शादी करके अमेरिका की नागरिकता ले ली। ट्रंप का यह बयान वाइट हाउस के पास गोलीबारी की घटना के बाद सामने आया। हमले को एक अफगान नागरिक ने अंजाम दिया जिसमें दो सिक्योरिटी गार्ड घायल हुए। इसमें से एक की मौत हुई जिसके बाद इमीग्रेशन का ट्रंप का रुख और कठोर हुआ। ट्रंप की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उमर की शादी के रिकॉर्ड की तस्वीरें बड़े पैमाने पर वायरल हुई और डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी से तत्काल कारवाई की मांग की। इलहान उमर को हम भारत विरोधी क्यों कह रहे हैं? दरअसल इलहान उमर पहले भी भारत विरोधी रुख को लेकर आलोचना के केंद्र में रही है। 2022 में उसने पीओके का दौरा किया। स्थानीय नेताओं से मुलाकात की। अपने चार दिवसीय पीओके के दौरे में उसने कश्मीर में मानव अधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए। भारत सरकार पर अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। भारत ने उमर के पीओके दौरे की कड़ी निंदा की थी। अमेरिका से आपत्ति जताई थी। लेकिन ये इलहान उमर जो है ये फेबस लेने वाली सांसद जो है वो पाकिस्तानी पैसों पर पीओके में वेकेशन करती हुई नजर आई और पाकिस्तान के पैसे पर आनंद लेते हुए इसने इस तरह की चीजें की। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उमर के सबसे मुखर आलोचक रहे हैं, उन्होंने उनके इस्तीफे की मांग की और एक से अधिक मौकों पर उन्हें निशाना बनाया। ट्रंप ने चुनावी रैली में एक बार कहा था कि वह हमारे देश से नफरत करती है। वह एक ऐसी जगह से आती हैं, जहां सरकार भी नहीं है, और फिर वह यहां आती हैं और हमें बताती हैं कि हमारे देश को कैसे चलाना है। कौन है इल्हान उमर 40 साल की इल्हान सोमालियाई अमेरिकी राजनेता हैं जो साल 2019 से मिनिसोटा में चुनाव जीतकर हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में आई थी।

वो अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस में पहुंचने वाली पहली दो मुस्लिम महिला सांसदों में से एक हैं। अमेरिकी संसद में पहुंचने वाली वो पहली सोमालियाई अमेरिकी नागरिक भी हैं। मूल रूप से वो अफ्रीका की नागरिक रही हैं।

थाने के करीब दुकान से 43 मिनट में 50 लाख के मोबाइल हुए पार

नकाबपोश गिरोह सीसीटीवी में कैद, पुलिस पिकेट पॉइंट के पास हुई वारदात से सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र में थाने से महज़ 200 मीटर की दूरी पर बड़ी चोरी का मामला सामने आया। नकाबपोश शातिर चोरों ने चावला चौराहे के पास स्थित कृष्णा कम्युनिकेशन मोबाइल शॉप का शटर तोडक़र करीब 43 मिनट के भीतर 50 लाख रुपए से अधिक कीमत के महंगे मोबाइल और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। दुकान कानपुर मोबाइल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज बलेचा की है।

सुबह कर्मचारी के पहुंचने पर ताले टूटे मिले और दुकान पूरी तरह अस्त-व्यस्त थी। सूचना पर पहुंचे नीरज को चोरी की जानकारी हुई और पुलिस को मामले की सूचना दी गई। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में सुबह 4:56 बजे पाँच नकाबपोश युवक दुकान के बाहर दिखे। उन्होंने कंबल लगाकर शटर को ढका और ताले तोड़े। इसके बाद टोपी पहने एक युवक दुकान में घुसा और महंगे मोबाइल बॉक्स से निकालकर पैक करने लगा। 5:47 बजे चार साथी दोबारा लौटे, कंबल लगाकर शटर उठाया और अंदर मौजूद युवक को बाहर निकाल लिया। इसके बाद पूरा गैंग फरार हो गया।पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान की जा रही है। आसपास देखे गए कुछ संदिग्ध वाहनों की भी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में इस वारदात में बिहार के एक सक्रिय चोरी गैंग की भूमिका की संभावना जताई गई है। पुलिस ने जल्द खुलासे का दावा किया है।

मार्कशीट सुधारने के नाम पर छात्रा से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

» वीडियो बनाकर बार-बार शोषण का आरोप, कुलपति ने आरोपी को विश्वविद्यालय से हटाया

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय में मार्कशीट सुधार कराने का झांसा देकर एक कर्मचारी ने छात्रा के साथ गंभीर वारदात को अंजाम दिया। फीलखाना क्षेत्र की रहने वाली छात्रा ने आरोप लगाया कि आउटसोर्सिंग प्रणाली पर तैनात कार्तिक कश्यप ने उसकी बीए द्वितीय वर्ष की मार्कशीट में संशोधन कराने के

नाम पर उससे दस हजार रुपये लिए और बातचीत के दौरान मोबाइल नंबर भी हासिल कर लिया।कुछ दिनों बाद आरोपित कार्तिक उसे बारासिरोही स्थित एक होटल में ले गया, जहां नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया।

पुलिस के मुताबिक इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसने कई बार छात्रा का शारीरिक शोषण किया। छात्रा की तबीयत खराब होने पर जब स्वजनों को जानकारी हुई, तो उन्होंने कल्याणपुर एसीपी से कार्रवाई की मांग की।

सूचना मिलने पर कुलपति ने तत्काल प्रभाव से आरोपित को विश्वविद्यालय से हटा दिया और विस्तृत जांच के निर्देश दिए। इसी बीच आरोपित के पिता ने छात्रा पर ढाई लाख रुपये वसूली व 15 लाख की मांग का आरोप लगाते हुए कुछ स्क्रीनशॉट पुलिस को सौंपे।

पुलिस ने पूरे मामले की जांच के बाद आरोपित कार्तिक कश्यप को गिरफ्तार कर लिया।

कल्याणपुर इंस्पेक्टर राजेंद्र कांत शुक्ला ने पुष्टि की कि दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गोवा के नाइट क्लब में लगी आग का मामला

कानपुर के भी एक युवक की मौत

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। गोवा के नाइट क्लब में हुए अग्निकांड में कानपुर के एक युवक की मौत हुई है। युवक कल्याणपुर के बारासिरोही में मामा के घर रहता था। डेढ़ साल पहले ही नौकरी के लिए गया था।

गोवा के नाइट क्लब में रविवार रात को सिलेंडर फटने और आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई है। हादसे में कानपुर कल्याणपुर के युवक की भी मौत हो गई। युवक कल्याणपुर के बारासिरोही में अपने मामा के घर रहता था। डेढ़ साल पहले ही नौकरी के लिए गया था। सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। भाई ने कहा कि अचानक मिली इस खबर ने सभी को तोड़ दिया। परिजन शव लेने के लिए रवाना हो गए हैं।

मूलरूप से नेपाल निवासी सुनीता सिंह का बेटा रोहन सिंह (28) कानपुर के कल्याणपुर बारासिरोही में रहने वाले उनके भाई कुंवर सिंह के यहां पर रहता था। कुंवर सिंह ने बताया कि उनका भांजा रोहन बचपन से उनके घर में रहता था। उसने पहले कानपुर के कई बार और रेस्टोरेंट में काम किया था। वह बहुत मिलनसार था। उसके एक मिलने वाले ने उसे गोवा में अच्छी सैलरी मिलने की बात कही तो फरवरी 2024 में गोवा के क्लब में नौकरी करने चला गया था। कुंवर सिंह के मुताबिक उनका एक बेटा मुंबई में नौकरी करता है। हादसे के बाद गोवा की पुलिस और अफसरों ने उनसे संपर्क किया था।

इसके बाद हादसे में रोहन के मौत की जानकारी दी। मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मुंबई निवासी विजय और परिवार के लोग गोवा के लिए रवाना हो गए। अब शव को कानपुर लाने के बाद रोहन का अंतिम संस्कार होगा। वहीं, रोहन की मां सुनीता सिंह बेटे के मौत की जानकारी मिलने के बाद नेपाल से कानपुर के लिए रवाना हो गई हैं। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि हादसे में कल्याणपुर के युवक के मौत की सूचना मिली है। परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

डीपीआरओ साहब, कब शुरू किया जाएगा सामुदायिक शौचालय

जिम्मेदारों की लापरवाही से दम तोड़ रही है शौचालय योजना, अकबरपुर ब्लॉक के पातेपुर गांव का मामला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शासन एक तरफ करोड़ों रुपए पानी की तरह खर्च कर गांव को स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण अंचल को साफ सुथरा बनाए रखने पर जोर दे रहा है। गांव के लोगों को खुले में शौच जाने से रोकने के लिए व्यक्तिगत शौचालय के साथ सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण कराया गया है। लेकिन पंचायत में तैनात जिम्मेदार लोगों के लापरवाही से गांव में बने सामुदायिक शौचालय क्रियाशील नहीं हो पा रहे है। इससे लोगों में आक्रोश पनप रहा है।

ग्रामवासियों का सीधा आरोप है कि भुगतान फर्जी तरीके से कर रहे हैं जिससे सरकारी धनराशि का दुरुपयोग भी हो रहा है। शासन ने ग्रामीण अंचल के लोगों को खुले में शौच जाने से रोकने के लिए गांव गांव सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण कराया है।

सामुदायिक शौचालय के निर्माण के साथ-साथ उनके क्रियान्वयन के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंप कर प्रतिमाह 9000 रुपए का मानदेय दिया जा रहा है। जिसमें 6000 सफाई कर्मचारी 3000 रुपए सामग्री अंश के लिए निर्धारित है। बावजूद इसके सामुदायिक शौचालय के निर्माण के समय पंचायत सचिवों द्वारा बरती गई लापरवाही से सामुदायिक शौचालय योजना दम तोड़ रही है। अकबरपुर ब्लॉक के पातेपुर गांव के रेलवे स्टेशन गली में बना सामुदायिक शौचालय बदहाल स्थिति में खड़ा है।

शौचालय अब शराबियों का घर बन चुका। समरसेबिल पंप की लाइन टूटी पड़ी है। इस समय जनपद में करोड़ों और लाखो की लागत से बनी योजन और परियोजना दम तोड रही है लेकीन जिम्मेदार लोग ध्यान नही दे रहे हैं इससे सामुदायिक शौचालय क्रियाशील नहीं हो पा रहा है क्रियाशील शौचालय में गंदगी का आलम बिखरा पड़ा हुआ है। इससे सामुदायिक शौचालय संचालन योजना धड़ाम साबित हो रही है।

स्थानीय लोगो के उपयोग के लिए लाखो रुपए खर्च कर बनवाया गया सामुदायिक शौचालय खंडहर हो रहा है। इससे विभागीय अधिकारियों की उपेक्षा से यह शौचालय सफेद हाथी बना खड़ा है। किंतु इसके संचालन के नाम पर प्रतिमाह हजारों रुपए की धनराशि निकल जा रही है जिससे सरकारी धनराशि के दुरुपयोग का मामला भी प्रकाश में आ रहा है।

लेकिन कागजों पर ही शौचालय संचालन दिखाकर धनराशि का आहरण करने वाले जिम्मेदारों के प्रति पंचायत विभाग के अधिकारी कार्यवाही करने से कतरा रहे है।

कानपुर देहात में लगातार स्वराज इंडिया ग्राम पंचायत की समस्या को लेकर खबरें प्रकाशित कर रहा है। इससे सामुदायिक शौचालय का लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण खुले में शौच के लिए जा रहे है। जिला प्रशासन सचिव के ऊपर कार्यवाही करने में कतरा रहा है जिससे शासन की बदनामी हो रही है।

टूटा पड़ा सबमर्सिबल

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी....

डीपीआरओ विकास पटेल से संपर्क करने का दो बार प्रयास किया संपर्क नहीं हो सका है। एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला ने बताया है कि जानकारी नहीं है जल्द निरीक्षण किया जायेगा। लापरवाही बरतने वाले ग्राम प्रधान और सचिव के उपर कार्यवाही की जायेगी।

रिटायर्ड एयरफोर्स महिला कर्मी का अंदर से बंद घर में मिला शव

» लंदन में नौकरी करता है बेटा, पड़ोसियों को देर तक न दिखने पर हुआ शक पुलिस ने तोड़ा दरवाज़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शनिवार को एक दर्दनाक मामला सामने आया, जहां चकेरी थाना क्षेत्र के गांधी ग्राम में रिटायर्ड एयरफोर्स महिला कर्मी सुषमा वाजपेई (वरिष्ठ नागरिक) का शव उनके घर के अंदर कमरे में मिला। सुषमा लंबे समय से अकेले रहती थीं, जबकि उनका बेटा वरुण लंदन में नौकरी करता है। उनके पति संतोष वाजपेई एयरफोर्स में थे और वर्ष 1989 में उनकी मौत के बाद सुषमा को मृतक आश्रित में नौकरी मिली थी। बाद में वह एयरफोर्स से रिटायर हुई थीं।

पूर्व पार्षद मनोज यादव के अनुसार, सुषमा वरिष्ठ नागरिक संस्था की आजीवन सदस्य थीं और समाज सेवा में गहरी रुचि रखती थीं। वह जरूरतमंदों की मदद के लिए जानी जाती थीं और कई महिलाओं व गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता भी देती थीं। बीमारी के बावजूद वह लोगों की सेवा में सक्रिय रहती थीं, इसी वजह से इलाके में उनकी विशेष पहचान थी।पड़ोसियों ने बताया कि शनिवार सुबह से सुषमा घर से बाहर नहीं दिखीं, जिस पर अनहोनी की आशंका हुई। इसकी सूचना उनके बेटे के ससुर आलोक (निवासी बर्रा) को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाज़ा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो सुषमा वाजपेई का शव बिस्तर पर पड़ा मिला।

रामादेवी चौकी प्रभारी के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह मामला बीमारी से मौत का लग रहा है। वहीं, बेटे के जल्द कानपुर पहुंचने की संभावना है।

हर घर जल योजना में बिछाई गई पाइपलाइन में जगह-जगह लीकेज

» हजारों लीटर पानी प्रतिदिन हो रहा बर्बाद, सडक़ खराब होने के साथ आवागमन में भी हो रही परेशानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकार द्वारा चलाई गई हर घर जल योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन जगह-जगह लीकेज होने के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। साथ ही जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो रही। जहां एक ओर जलभराव से आवागमन बाधित है वहीं नई बनी सडक़े भी टूटने लगी हैं और गड्ढे होने लगे हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे।

रसूलाबाद क्षेत्र के कस्बा कहिंजरी के भीखदेव बाजार में हर घर जल योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन जगह-जगह लीकेज है। स्थानीय लोगों ने लीकेज की समस्या की सूचना योजना से जुड़े संबंधित अधिकारी को दी। लेकिन जिम्मेदारों ने समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। बाजार के रहने वाले अजय दुबे, राहुल कुमार,दीपक कुमार, लक्ष्मी नारायण इत्यादि लोगों ने बताया कि हर घर जल योजना के तहत डाली गई पाइपलाइन से पानी की सप्लाई शुरू हो गई है लेकिन शुरुआती टेस्टिंग में ही जगह-जगह लीकेज हो गया। लीकेज होने के बाद कोई भी जिम्मेदार लीकेज की समस्या का निदान करवाने नहीं आया। इसके चलते बाजार में काफी जलभराव हो जाता है और पानी का भी दोहन हो रहा है।

क्या बोले अफसर...

साइट इंजीनियर रंजीत कुमार ने बताया कि करीब 2 महीने से जल निगम विभाग द्वारा कर्मचारियों का भुगतान नहीं किया गया।

जिसके कारण कार्य पूरी तरीके से बाधित है। जैसे ही कर्मचारियों का पिछला भुगतान होता है तुरंत ही समस्या का निस्तारण किया जाएगा। फिलहाल एक दो कर्मचारियों को लगाकर अन्य ग्राम पंचायत में लीकेज बनवाने का कार्य चल रहा है।

शीघ्र ही भीखदेव कहिंजरी बाजार के लीकेज को दुरुस्त कराया जाएगा ताकि सुचारू रूप से पानी की सप्लाई चलती रहे।

ओयो होटल में छापा नाबालिग से दुष्कर्म में दो गिरफ्तार

» शिवली में नायब तहसीलदार के साथ पुलिस ने की कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा और महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत शिवली पुलिस ने एक मामले में तत्परता दिखाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रविवार शाम को की गई, जिसमें पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी को होटल से सकुशल बरामद किया।यह मामला रसूलाबाद थाना क्षेत्र का है, जहाँ एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 6 दिसंबर को उनकी नाबालिग पुत्री अपनी मौसी के घर जा रही थी। इसी दौरान हृदयपुर, कानपुर नगर निवासी आरोपी विपिन यादव उसे बहला कर ले गया और शिवली कस्बे में संचालित एक ओयो होटल में ले गया।शिकायत मिलते ही शिवली पुलिस और नायब तहसीलदार अनिरुद्ध सिंह की एक संयुक्त टीम ने तुरंत होटल में छापामारी की। मौके पर किशोरी और आरोपी युवक विपिन यादव को आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया। पुलिस ने होटल के रिसेप्शन पर मौजूद कर्मचारी आयुष कटियार (शिवराजपुर निवासी) को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की सख्त धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य भी एकत्र किए गए। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों (विपिन यादव और आयुष कटियार) को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है।

नहाते समय युवती का वीडियो बना कर किया वायरल एफआईआर दर्ज

आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग, जांच में जुटी मंगलपुर पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र की एक युवती ने एक युवक पर चोरी छिपे नहाते समय उसका वीडियो बनाने और उसे वायरल कर देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों पूर्व मोहल्ले के एक युवक ने नहाते समय गुप्त रूप से उसका वीडियो बना लिया था। युवती को घटना की जानकारी तब हुई जब यह वीडियो किसी अन्य व्यक्ति के फोन पर पहुंचा और मामले का खुलासा हुआ।आरोपी की पहचान गांव के कन्हैया कश्यप के रूप में हुई है।

पीड़िता ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l **Website:** www.swarajindianews.com l (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

विवाद के बाद युवक को बांधकर पीटा, वीडियो वायरल

आरोपी पक्ष ने असलहा उठाने वाले युवक को पकड़ा और पीटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सजेती थाना क्षेत्र में वर्चस्व के विवाद ने रविवार को तूल पकड़ लिया और मामूली कहासुनी कुछ ही देर में हिंसक झड़प में बदल गई। विवाद के दौरान एक पक्ष के युवक ने कथित रूप से असलहा लेकर मौके पर दाखिल होने का प्रयास किया, लेकिन दूसरे पक्ष के लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसके हाथ बाँध कर जमकर पिटाई की। घटना का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वायरल फुटेज में स्पष्ट दिखता है कि एक युवक को बंधा हुआ जमीन पर या किसी खुले स्थान पर बैठाया गया है और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की जा रही है। वायरल वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है। सजेती थाना पुलिस ने वायरल वीडियो को गंभीरता से लेते हुए तफ़तीश शुरू कर दी है। जांच में पाया गया है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से ही वर्चस्व संबंधी तनातनी चली आ रही थी, जो आखरिकार कहासुनी के बाद हाथापाई और पिटाई तक पहुँच गई। पुलिस ने फिलहाल वीडियो में दिख रहे व्यक्तियों की पहचान करने और घटना में शामिल अन्य लोगों के नाम पता लगाने के लिए टीम लगा दी है।थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया, वायरल वीडियो मेरे संज्ञान में है। इसकी गहनता से जांच–पड़ताल की जा रही है। वीडियो के आधार पर दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हमने क्षेत्र में चौकसी बढ़ा दी है और संभावित गवाहों से पूछताछ शुरू कर दी है।उन्होंने यह भी कहा कि

पीड़ित युवक की ओर से अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है, इसलिए पुलिस ने उसे तहरीर देने के लिए कहा है ताकि औपचारिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा सके।स्थानीय लोगों ने आरोपियों की पहचान कराने और न्याय की मांग को तेज कर दिया है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो के मेटा–डेटा और गवाहों के बयानों के आधार पर शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

मिशन शक्ति: राजपुर में पुलिस ने महिलाओं को बताए सुरक्षा के उपाय

» पुलिस टीम ने महिलाओं व छात्राओं को दी सुरक्षा संबंधी अहम जानकारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राजपुर क्षेत्र में सोमवार को पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और विद्यालयों में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। यह अभियान पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे के निर्देशन, सिकंदरा सीओ प्रिया सिंह के मार्गदर्शन तथा राजपुर थाना प्रभारी सनत के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

राजपुर पुलिस टीम ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पहुंचकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें सैकड़ों महिलाओं और छात्राओं ने भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान महिला कांस्टेबल प्रियंका ने अपनी टीम के साथ प्रतिभागियों को सुरक्षा योजनाओं, सरकारी हेल्पलाइन नंबरों और महिला कल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी। महिलाओं को 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 महिला शक्ति लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 इमरजेंसी नंबर और 1076 पुलिस कंट्रोल रूम सहित कई जरूरी नंबरों से अवगत कराया गया।इसके साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को यूपीकॉप ऐप के उपयोग, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के तरीके, साइबर स्टॉकिंग, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट और फिशिंग जैसे साइबर अपराधों की पहचान करने के उपाय बताए गए।कानूनी जागरूकता के तहत पुलिस ने पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम और साइबर क्राइम से जुड़े आईटी एक्ट के प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं को न सिर्फ जागरूक करना था बल्कि यह भी सुनिश्चित करना था कि वे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता का लाभ ले सकें।

बदलते मौसम में स्वास्थ्य का ध्यान रखने को जागरुक कर रहे डॉक्टर

» कैंप लगाकर मरीजों को दी जा रहीं दवाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । सर्दी का मौसम बढ़ते ही होम्योपैथिक अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 5 से 6 दर्जन मरीज पहुंच रहे हैं। रसूलाबाद क्षेत्र के अंतर्गत बिरहुन में स्थित होम्योपैथिक अस्पताल में चिकित्सक डॉक्टर पुनीत शेखर पटेल ने बताया की सर्दी का मौसम बढ़ते ही खांसी जुकाम बुखार पेट दर्द गठिया बात तथा इसके संबंधित समस्या के मरीज आ रहे हैं उन्होंने बताया कि लगभग प्रतिदिन 5 से 6 दर्जन तक मरीज अस्पताल आ रहे हैं। डॉ पुनीत शेखर ने कहा की होम्योपैथिक दवा से शरीर में कोई साइड इफेक्ट नहीं है इसके साथ ही यह शरीर में इम्यूनिटी पावर को मजबूत करती है जो कि हमें बीमारियों से लडने की क्षमता बनाए रखती है। उन्होंने कहा की जवान हो या बुजुर्ग सर्दी के मौसम में पूरे शरीर को ढक कर रखें। इसके साथ ही देर शाम या जल्द सुबह बाइक से चलने वाले लोग मजबूत कपड़े पहने ताकि सर्दी से बचाव हो सके जिससे इस प्रकार की बीमारियों से बचा जा सके। यहां अस्पताल कर्मी आशीष कुमार,सौरभ आदि मौजूद रहे।

जालौनः इंस्पेक्टर-महिला सिपाही संबंध विवाद में नया खुलासा

» अवैध सम्बन्ध, महंगे तोहफ़े में फंसे इंस्पेक्टर

गर्ल फ्रेंड की धमकी और दबाव में फंसे एसएचओ की संदिग्ध मौत पर कई कहानियां आई सामने

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

जालौन। जिले में कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने पुलिस व्यवस्था और विभागीय रिश्तों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में यह पूरा प्रकरण न सिर्फ एक संवेदनशील आपराधिक मामला बन चुका है, बल्कि विभागीय मर्यादा और नैतिकता से जुड़ा बड़ा मुद्दा भी सामने ला रहा है। इसको लेकर तरह तरह की चर्चा हो रही है।

जांच में सामने आया है कि थाना प्रभारी का एक महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा से नाजायज़ सम्बन्ध बन गया था। बताया जा रहा है कि एसएचओ ने उसे लगभग तीन लाख रुपये का सोने का हार और महंगा आईफोन खरीदकर दिया था।

सूत्रों के अनुसार फरवरी में महिला सिपाही की शादी तय थी और वह एसएचओ पर शादी में 25 लाख रुपये खर्च करवाने का दबाव बना रही थी।

पहली बार थाने का जिम्मा मिला होने के कारण एसएचओ पर काम का तनाव पहले से ही था और अब यह आर्थिक दबाव उन्हें मानसिक रूप से तोड़ने लगा।

इस बीच महिला सिपाही द्वारा एसएचओ की पत्नी को वीडियो भेजने की कथित धमकी ने मामला और तनावपूर्ण बना दिया।

तनाव, विवाद और फिर संदिग्ध मौत !

घटना वाली रात एसएचओ अपने सरकारी आवास में मृत पाए गए। उनका शरीर मच्छरदानी के भीतर खून से लथपथ मिला और पिस्टल सीने पर रखी हुई थी। पुलिस इसे संदिग्ध मानकर आत्महत्या और हत्या—दोनों एंगल से जांच कर रही है।

सबसे गंभीर तथ्य यह कि गोली चलने के तुरंत बाद महिला सिपाही आवास से चिल्लाते हुए बाहर आई और फिर अचानक भाग गई। यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद है, जिसने जांच को एक नया मोड़ दे दिया।

मुख्य आरोपी महिला सिपाही गिरफ्तार

मृतक एसएचओ की पत्नी माया राय की तहरीर पर पुलिस ने महिला सिपाही के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

रविवार को उसे कड़ी सुरक्षा में मेडिकल परीक्षण के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस उसके मोबाइल, लेन-देन और लोकेशन की जांच में जुटी है।

विभागों में बढ़ती 'अवैध निकटता' पर उठ रहे सवाल

दूसरे विभागों–स्कूलों, स्वास्थ्य, प्रशासन, पुलिस–से इस तरह के गलत रिश्तों और विवादों की खबरें लगातार बढ़ रही हैं।

कभी प्रधानाचार्यङ्कमहिला शिक्षक, तो कभी कर्मचारीङ्कअफसर के संबंधों के चलते विवाद और आत्महत्या जैसे मामले तेजी से सामने आने लगे हैं। यह न सिर्फ विभागीय अनुशासन का उल्लंघन है, बल्कि कार्यस्थल की पवित्रता और व्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा बनकर उभरा है।यह मामला महज एक एसएचओ और महिला सिपाही का विवाद नहीं है, बल्कि यह दिखा रहा है कि कैसे निजी संबंध, आर्थिक दबाव और भावनात्मक शोषण जैसी स्थितियाँ सरकारी कार्यप्रणाली को प्रभावित कर रही हैं।विभागीय वातावरण में उभरते ऐसे रिश्ते कई बार ब्लैकमेलिंग, दबाव, अनीति, और अंततः त्रासदी का कारण बनते दिखाई दे रहे हैं।

जालौन की यह घटना पूरे प्रदेश के लिए चेतावनी है कि विभागों में अनुशासन, पेशेवर मर्यादा और मानसिक स्वास्थ्य पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

ट्रक की टक्कर से सिपाही की पत्नी की मौत

» छुट्टी बिताकर लौट रहे दंपति की बुलेट में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

औरैया। सोमवार सुबह औरैया–कानपुर मार्ग पर हुए एक दर्दनाक सडक़ हादसे में यूपी पुलिस के सिपाही शिवम सिंह की पत्नी शिवी राजावत (24) की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 11 बजे मोहन ढाबा पुरवा रहट के पास हुआ।जानकारी के अनुसार, सिपाही शिवम सिंह, जो फिलहाल कानपुर नगर के यातायात विभाग में तैनात हैं, पत्नी के साथ छुट्टी बिताने के बाद औरैया के चिरूहूली कोतवाली क्षेत्र स्थित अपने घर से कानपुर ड्यूटी के लिए लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक दंपति बुलेट पर सवार होकर जा रहे थे।रास्ते में पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि शिवी राजावत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सिपाही शिवम सिंह को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने संबंधित ट्रक को कब्जे में ले लिया, जबकि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। चालक की तलाश में पुलिस टीम आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी कर रही है और घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए और उनका रो रोकर बुरा हाल है।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 950 मरीजों की जांच

» 65 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भेजे गए

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत विजेनपुर सजहरा स्थित शिव नायक शिक्षण संस्थान में जिला पंचायत सदस्य हरीशचंद्र निषाद द्वारा रविवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 950 मरीजों ने अपनी आंखों की जांच कराई, जबकि 65 मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन के लिए अयोध्या आई हॉस्पिटल भेजा गया।

शिविर का उद्घाटन बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि हरीशचंद्र निषाद द्वारा लगातार लगाए जा रहे निःशुल्क नेत्र शिविर गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। यहां मरीजों को मुफ्त जांच, चश्मा, दवाइयां और निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा मिल रही है। शिविर में प्रमुख रूप से डॉ. गुलशन, राकेश वर्मा, विपिन विहारी, कृष्ण कुमार शर्मा सहित सहयोगी जियालाल भारती, रणविजय, शीतला प्रसाद, बिंदु निषाद, अंजू निषाद, तथा रामपुर भगन चौकी इंचार्ज, ग्यासपुर आदि मौजूद रहे।

30 लाख के बजट वाली खादी प्रदर्शनी 5 दिन में ही सिमट गई

» भ्रष्टाचार की धूल में दबी 'स्वदेशी' की साख, आयोजकों के वादे हवा-हवाई

» मैदान में सन्नाटा, 80 प्रतिशत दुकानों काआधी अवधि में ही स्टॉल खाली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मंडल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी, जिसे 2 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2025 तक अयोध्या के क्षेत्रीय बोर्डिंग हाउस सोसाइटी (महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, लालबाग) में भव्य रूप देने की तैयारी थी, महज़ 5 दिनों में ही दम तोड़ बैठी। खादी और ग्रामोद्योग की पहचान को नई ऊंचाई देने का दावा करने वाले आयोजकों की पोल तब खुल गई, जब 80 प्रतिशत दुकानें आधी अवधि में ही स्टॉल खाली कर भाग गईं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कश्मीर, बंगाल, राजस्थान प्रतापगढ़, कन्नौज, सोनभद्र जैसे जिलों से आए व्यापारी उम्मीद लेकर पहुंचे थे। लेकिन उन्हें मिला सूना मैदान, बेजान आयोजन और जहां-तहां उड़ती धूल। दुकानदारों का साफ कहना है ना कोई मनोरंजन कार्यक्रम, ना सांस्कृतिक प्रस्तुति, ना भीड़ ऐसे में ग्राहक क्यों आएंगे? सूत्रों ने खुलासा किया है सरकार ने इस प्रदर्शनी के लिए 30 लाख रुपए का बजट अनुमोदित किया था, लेकिन न बैनर लगे, न सोशल मीडिया पर प्रचार हुआ, शहर में एक दो होर्डिंग लगी बस। आयोजित 'प्रदर्शनी' ज़्यादा एक बजट खपत समारोह लग रही थी, जिसमें जनता और व्यापारी दोनों ठगे गए। जिन खादी उत्पादों को विशेष रियायत पर उपलब्ध कराने की बात थी कश्मीर का ऊनी माल,भागलपुर की सिल्क,कन्नौज की सुगंधित धूप,बीकानेर की नमकीन,सोनभद्र की दरी,लखनऊ की चिकनकारी,शहद, चर्म शिल्प, और आयुर्वेदिक उत्पादज्उन सबके स्टॉल खरीदारों के इंतज़ार में खाली रह गए।

व्यापारी बोले, अगली बार नहीं आएंगे

अधिकांश दुकानदारों का कहना है कि इतने खराब प्रबंधन और भीड़हीनता की वजह से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। कुछ ने तो यह तक कहा यह प्रदर्शनी नहीं, हमें 'नुकसान मेले' में भेज दिया गया है। अब बड़ा सवाल यह है कि जवाबदेही कौन लेगा?इतना बड़ा बजट कहाँ गया?प्रचार क्यों नहीं किया गया?

भीड़ जुटाने के इंतज़ाम क्यों नहीं हुए? स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी किसके इशारे पर आंखें मूंदे बैठे रहे? ये सवाल हवा में तैर रहे हैं,

जबकि प्रदर्शनी के मैदान में अब केवल खाली स्टॉल और बर्बाद उम्मीदों की गूंज बची है।

अयोध्या में मंडल स्तरीय खादी प्रदर्शनी का फ्लॉप होना सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि बजट की बंदरबांट और प्रबंधन की भयंकर विफलता का नमूना है।

बेड के भीतर छिपा प्रेम, थाने में हुई शादी!

अयोध्या में चौंकाने वाला प्रेम-प्रसंग सामने आया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पूराकलंदर क्षेत्र के बभनगवां गांव में देर रात घटित एक घटना ने पूरे इलाके को हैरान कर दिया। रकीबुलनिशा और उसके प्रेमी आलिम की प्रेमकहानी किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं, जिसमें बेड, भीड़, पुलिस और अंत में थाने में हुई शादी शामिल है।6 दिसंबर की रात रकीबुलनिशा के कमरे से धीमी आवाजें सुनकर घरवालों को शक हुआ कि घर में चोर घुस आया है। चोर-चोर के शोर के बीच महिला ने अपने प्रेमी आलिम को बेड के भीतर छिपा दिया। तलाशी के दौरान जब घरवालों ने बेड खोल दिया, तो सामने बैठा आलिम देखकर सबके होश उड़ गए। भीड़ ने युवक की पिटाई शुरू कर दी। तभी रकीबुलनिशा चीख उठी इसे मत मारो, ये मेरा प्रेमी है मैं इससे शादी करूंगी।इसके बाद मामला थाने पहुंचा। पूछताछ में दोनों ने अपने लंबे समय से चल रहे रिश्ते की बात स्वीकार की। हैरानी तब हुई, जब विदेश (दुबई) में नौकरी कर रहे महिला के पति जाफर अली को पिता ने पूरी घटना बताई। जाफर ने बिना संकोच कहा अगर मेरी पत्नी किसी और के साथ खुश है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं। उसकी शादी करा दीजिए। पति की रजामंदी के बाद थाने में ही दोनों की शादी कराई गई।

अंतर्राष्ट्रीय श्रीसीता-राम नाम बैंक मंदिर की रखी गई आधारशिला

» श्रीमणिराम दास छावनी में महंत नृत्यगोपाल दास महाराज की उपस्थिति में हुआ भूमि पूजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। श्री मणिराम दास छावनी द्वारा संचालित अंतर्राष्ट्रीय श्री सीताङ्कराम नाम बैंक एवं मंदिर के नवीन भवन का शिलान्यास शनिवार को धर्म मंडपम् प्रांगण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास महाराज की पावन उपस्थिति रही, जबकि भूमि पूजन और शिलान्यास उत्तराधिकारी महंत कमलनयन शास्त्री ने अपने करकमलों से किया।

कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय श्री सीताङ्कराम नाम बैंक के प्रबंधक पुनीतराम दास महाराज, ट्रस्ट सचिव कृपालु रामदास 'पंजाबी बाबा', शरद शर्मा, सहायक कन्हैया दास, केशव दास, जानकी दास, संत विश्राम दास, रामरक्षा दास, विनय शुक्ला, अनिरुद्ध शुक्ल सहित संत समाज के अनेक प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित रहे। वयोवृद्ध संत व बैंक प्रबंधक पुनीतराम दास महाराज ने बताया कि अब तक वाल्मीकि रामायण भवन में संचालित हो रहे बैंक में इकिस हजार करोड़ रामनाम की पवित्र कॉपियां रामभक्तों द्वारा लिखकर जमा की जा चुकी हैं। यह संकलन विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज हुआ है। उन्होंने इसे भक्तों की आस्था, रामलला की कृपा और महंत नृत्यगोपाल दास महाराज के संकल्प का दिव्य परिणाम बताया। उन्होंने बताया कि मणिराम दास छावनी स्थित धर्म मंडपम् परिसर में आज अंतर्राष्ट्रीय सीता-राम नाम बैंक के नवीन भवन और सीताराम मंदिर का भूमि पूजन एक ऐतिहासिक क्षण है। आने वाले समय में यह मंदिर और नया भवन रामभक्ति का प्रमुख केंद्र बनेगा, जहां रामभक्त अपनी लिखी हुई रामनाम की कॉपियां जमा कर आध्यात्मिक सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने कांग्रेस-नेहरू पर साधा निशाना

तुष्टिकरण की राजनीति में कांग्रेस वंदेमातरम् के बंटवारे को झुकी!

बोले प्रधानमंत्री- 100वीं वर्षगांठ पर देश में संविधान का गला घोंटा, मुस्लिम लीग ने किया विरोध

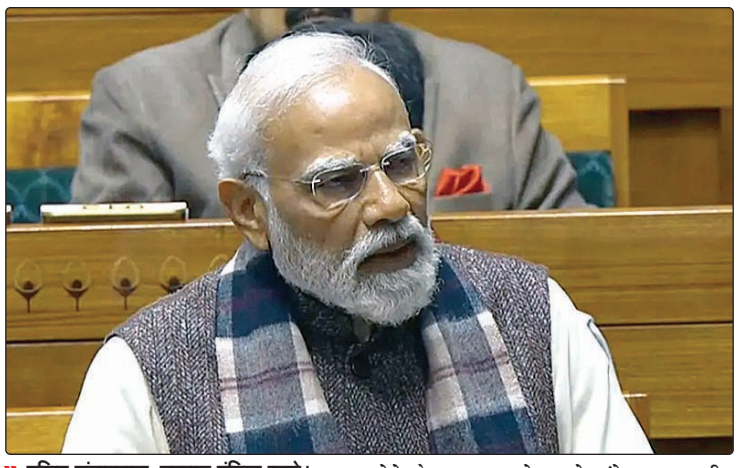

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोकसभा में बहस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कांग्रेस और पूर्व पीएम पर राष्ट्रीय गीत के प्रति मुहम्मद अली जिन्ना के विरोध को दोहराने और सांप्रदायिक चिंताओं को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

पीएम ने कहा कि मुस्लिम लीग ने वंदे मातरम का कड़ा विरोध करना शुरू कर दिया था। मुहम्मद अली जिन्ना ने 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ से वंदे मातरम के खिलाफ नारा लगाया था। मुस्लिम लीग की बेबुनियाद बातों का कड़ा और मुंहतोड़ जवाब देने के बावजूद, नेहरू ने वंदे मातरम की जांच शुरू कर दी।

उन्होंने लोकसभा में दावा किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए। उन्होंने यह भी कहा, ''कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे पर झुकी, इसलिए उसे एक दिन भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा।''

मोदी ने सदन में ''राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा'' की शुरुआत करते हुए 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा, ''जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा कर दिया।''

लाख कोशिश कर लो नेहरू पर दाग नहीं लगा सकते

कांग्रेस की तरफ से चर्चा में भाग लेते हुए सदन में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने वंदे मातरम् पर चर्चा को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। गोगोई ने कहा कि वह और उनकी पार्टी भाजपा जितने भी प्रयास कर लें पंडित नेहरू पर दाग नहीं लगा सकते। इसके साथ ही गोगोई ने दावा किया कि कांग्रेस ने ही सबसे पहले वंदे मातरम् का उद्घोष किया था।

उन्होंने कहा, आप 1937 के कांग्रेस अधिवेशन की बात करते हैं, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं, 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में आपके राजनीतिक पूर्वज कहां थे? गोगोई ने भाजपा पर आगे निशाना साधते हुए कहा कि आपके राजनैतिक पूर्वजों ने न तिरंगे को तवज्जो दी, न ही फिर राष्ट्रगान को तवज्जो दी। आप क्या राष्ट्रभक्ति की बात करते हैं?

ये राष्ट्रवादी नहीं, बल्कि राष्ट्र विवादी लोगः अखिलेश यादव

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि इसका पालन करने के लिए है, जिन्होंने कभी स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा नहीं लिया, वे वंदे मातरम का महत्व कैसे समझेंगे? वे राष्ट्रवादी नहीं, बल्कि राष्ट्र विवादी लोग है।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर पोस्ट में कहा है कि भाजपा खोखले प्रतीकवाद में लिप्त है। संसद 150 साल पुराने वंदे मातरम पर बहस में व्यस्त है जबकि इंडिगो यात्री फंसे हुए हैं और जवाब के लिए बेताब हैं। उन्होंने कहा, लोगों को परेशान करने वाले संकटों का समाधान करने के बजाय, भाजपा खोखले प्रतीकवाद में लिप्त प्रतीत होती है।

भाजपा के नेताओं ने जिन्ना को श्रद्धांजलि दी थी

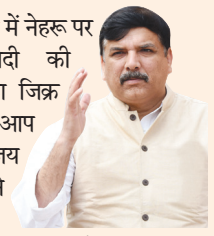

लोकसभा में नेहरू पर पीएम मोदी की टिप्पणी का जिक्र करते हुए आप सांसद संजय सिंह ने कहा, भाजपा पहली पार्टी है जिसके नेता जिन्ना की कब्र पर श्रद्धांजलि देने गए थे। आजादी से पहले, उनके पार्टी के सदस्यों ने 3 प्रांतों में मुस्लिम लीग के साथ सरकार बनाई थी, जिन्होंने 52 साल तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और अंग्रेजों का समर्थन किया, उन्हें वंदे मातरम पर चर्चा करने का अधिकार नहीं है।

अग्निकांड में पांचवीं गिरफ्तारी, दिल्ली से पुलिस ने एक कर्मचारी को पकड़ा

फरार क्लब के मालिक का पहला बयान, लिखा- लोगों की मौत से हिल गया हूं

गोवा नाइट क्लब हादसा

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोवा। गोवा के एक नाइट क्लब में भीषण आग लगने की घटना के मामले में दिल्ली से एक गिरफ्तारी हुई है। इस अग्निकांड में 25 लोगों की जान चली गई थी। राज्य पुलिस ने दिल्ली से नाइट क्लब के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है। यह गिरफ्तारी मामले की जांच में एक नया मोड़ ला सकती है।

सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान भरत कोहली के रूप में हुई है, जो दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके का निवासी है। कोहली पर नाइटक्लब के दैनिक संचालन की देखरेख की जिम्मेदारी थी। उसकी संलिप्तता नाइटक्लब के एक प्रबंधक से पूछताछ के दौरान सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। कोहली को आगे की पूछताछ के लिए गोवा ले जाया जाएगा।

यह आग शनिवार रात को उत्तरी गोवा के अरापोरा में स्थित बिर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइटक्लब में लगी थी। दुखद बात यह है कि आग की चपेट में आने वालों में अधिकांश नाइटक्लब के कर्मचारी ही थे। इस घटना ने गोवा के पर्यटन उद्योग और सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चार आरोपियों को छह दिन की पुलिस हिरासत

इस मामले में गोवा पुलिस पहले ही कई गिरफ्तारियां कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए

लोगों में क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर शामिल हैं। अब कोहली की गिरफ्तारी हो चुकी है।

उत्तर गोवा के अर्पोरा स्थित नाइटक्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार देर रात आग लग गई थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर क्लब के कर्मचारी थे। अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक (49 वर्षीय, निवासी आर.के. पुरम, नई दिल्ली), महाप्रबंधक विवेक सिंह (27 वर्षीय, निवासी जौनपुर, उत्तर प्रदेश), बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया (32 वर्षीय, निवासी गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) और गेट प्रबंधक प्रियांशु ठाकुर (32 वर्षीय, निवासी मालवीय नगर, नई दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

दो अन्य क्लब और ढाबा पर भी हुई कार्रवाई

उत्तर गोवा जिला प्रशासन ने वैगेटर और असागाओ में स्थित रोमियो लेन चेन के दो अन्य क्लब और एक तटीय ढाबा भी बंद कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों संपत्तियों पर भी कार्रवाई की गई क्योंकि ये विवादों में शामिल थीं।

रविवार रात गोवा के एक नाइट क्लब में लगी आग और उसमें 25 लोगों की मौत पर अब नाइट क्लब के मालिक सौरभ लूथरा का पहला बयान सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि हादसे में लोगों की मौत के बाद से वह हिल गया है। गौरतलब है कि सौरभ हादसे के बाद से ही फरार है। गोवा पुलिस की एक टीम रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुई, ताकि क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा की तलाश की जा सके, जिनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सौरभ लूथरा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, नाइट क्लब प्रबंधन इस त्रासदी पर दुखी है और पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है।